पंजाब केसरी 02/10/2025

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में मंचित नाटक 'आखिरी पन्ना' में अभिनय करते फिल्मकार प्रमोद पब्बी एवं अन्य कलाकार।

मंचित नाटक 'आखिरी पन्ना' के दौरान मुख्यातिथि डॉ. गुरदेव सिंह को स्मृतिचिन्ह भेंट करते आयोजक। (चंद्रमोहन)

अकेले बुजुर्गों के जीवन पर आधारित नाटक 'आखिरी पन्ना' देख भावुक हुए दर्शक

इस नाटक में प्रमोद पब्बी और प्रिंस धीमान ने निभाई मुख्य भूमिकाएं

अम्बाला, 1 अक्तूबर (बलराम): अपने बच्चों के विदेश चले जाने के बाद अकेले रह रहे बुजुर्गों के जीवन पर आधारित नाटक 'आखिरी पन्ना' देख दर्शक भावुक हो गए। अम्बाला छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के सभागार में मंचित हुए प्रख्यात अभिनेत्री कमलेश शर्मा द्वारा लिखित एवं निर्देशित इस नाटक में फिल्मकार प्रमोद पब्बी और प्रिंस धीमान ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। इसके अलावा निर्देशिका कमलेश शर्मा, आरती धीमान, प्रवर सभ्रवाल, लक्ष्य भारद्वाज, अभिषेक निगम और सन्नी ने भी नाटक में प्रभावी भूमिकाएं निभाईं। इस नाटक ने कलात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक संवेदनशीलता का एक अद्वितीय मिश्रण प्रस्तुत किया।

समारोह के मुख्यातिथि प्रख्यात शिक्षाविद् एवं जी.एम.एन. कॉलेज गवर्निंग बॉडी के प्रधान डॉ. गुरदेव सिंह थे, जबकि प्रसिद्ध साहित्यकार एवं शिक्षाविद् डॉ. रतन सिंह ढिल्लों ने विशेष अतिथि और जी.एम.एन. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर समारोह में शिरकत की। हरियाणा कला एवं संस्कृति विभाग, वी.एम.एस. फाऊंडेशन, जे.डी. बिल्डर्स और भारतीय कला, संस्कृति एवं सामाजिक सरोकार को समर्पित संस्था 'प्रेरणा' द्वारा प्रस्तुत इस नाटक के सह-निर्देशक अभिनव शर्मा थे।

नाटक 'आखिरी पन्ना' का लुत्फ उठाते जी.एम.एन. कॉलेज गवर्निंग बॉडी के प्रधान डॉ. गुरदेव सिंह, प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. रतन सिंह ढिल्लों और प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त। (चंद्रमोहन)

मुख्यातिथि डॉ. गुरदेव सिंह ने कहा कि आखिरी पन्ना नाटक ने समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर किया है और युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक किया है। यह नाटक न केवल मनोरंजन का एक स्रोत है, बल्कि यह सांस्कृतिक जागरूकता और कलात्मक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करता है।

विशेष अतिथि डॉ. रतन सिंह ढिल्लों ने कहा कि यह नाटक एक अद्वितीय अनुभव था, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है। नाटक की कहानी और पात्रों ने समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर किया है और युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक किया है।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि यह आयोजन कॉलेज के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव था और नाटक के कलाकारों को अपनी कलात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। मैं छात्रों और शिक्षकों को इस आयोजन के लिए बधाई देता हूं। 'आखिरी पन्ना' नाटक ने न केवल मनोरंजन का एक स्रोत प्रदान किया, बल्कि यह सांस्कृतिक जागरूकता और कलात्मक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान किया। इस आयोजन के माध्यम से हमने अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने और युवाओं में कलात्मक संवेदनशीलता को बढ़ावा देने का प्रयास किया।

नाटक की लेखिका एवं निर्देशिका कमलेश शर्मा ने कहा कि आखिरी पन्ना नाटक का उद्देश्य समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर करना और युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक करना है। मुझे खुशी है कि इस नाटक ने दर्शकों को प्रभावित किया है और उन्हें सोचने पर मजबूर किया है।

आयोजन में जी.एम.एन. कॉलेज के युवा एवं सांस्कृतिक मामले विभाग के डीन डॉ. चंद्रपाल पूनिया और संगीत प्राध्यापिका मनजीत कौर की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम में भाजपा नेत्री पारुल सभ्रवाल, शिक्षाविद् प्रो. गुरदेव सिंह देव, रंगकर्मी जसदीप बेदी, गीता धीमान, मनमोहन शर्मा, अमरचंद, मीरा कपूर, कविता कौशल, नरेश शर्मा, राहुल शर्मा व प्रो. राजेंद्र मीरवाल आदि उपस्थित रहे।